



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 254]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 9, 2008/आषाढ़ 18, 1930

No. 254]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 9, 2008/ASADHA 18, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 2008

जाँच शुरुआत

विषय :—चीन जन. गण. से प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीनरी के आयात से संबंधित पाटनरोधी जाँच की शुरुआत।

1. जाँच शुरुआत :

फा. सं. 14/12/2008-डीजीएडी.—यतः मै. एल एण्ड टी डेमाग प्लास्टिक मशीनरी लि., चेन्नई (जिसे एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीनरी (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जाँच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

2. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद सभी प्रकार की प्लास्टिक प्रोसेसिंग या इंजेक्शन मोल्डिंग मशीनें हैं, जिन्हें इंजेक्शन प्रोसेस के नाम से भी जाना जाता है, 40 टन से अधिक क्लैम्पिंग बल वाली इन मशीनों का प्रयोग प्लास्टिक सामग्री के प्रसंस्करण या ढलाई में होता है। इन मशीनों का प्रयोग इंजेक्शन ढलाई प्रक्रिया का प्रयोग करके विभिन्न प्लास्टिक वस्तुओं के उत्पादन में होता है और इनमें एक इंजेक्शन इकाई होती है जो पॉलीमर को गला कर मोल्ड में डालती है तथा एक क्लैम्पिंग इकाई होती है जो मोल्ड को पकड़ती, उसे खोलती, बंद करती और तैयार उत्पाद को बाहर निकालती है। ऑटोमोटिव, संचार, मनोरंजन, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल पैकेजिंग आदि जैसे प्रयोक्ता-संघटकों द्वारा बम्पर्स, पानी की बोतलों, दवा की बोतलों, बोतल के ढक्कनों, घरेलू वस्तुओं, लेखन उपकरणों, प्लास्टिक के स्क्रू और ऐसी ही सामग्री बनाने के लिए प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीनों का प्रयोग किया जाता है।

प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीनों को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 84 के उप-शीर्ष सं० 8477.10 और भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलीकृत वस्तु विवरण एवं कोडिंग प्रणाली पर आधारित) के तहत उपशीर्ष सं० 8477.1000 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, उपर्युक्त वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जाँच के दायरे पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

### 3. घरेलू उद्योग एवं उसकी स्थिति

मै० एल एंड टी डेमाग प्लास्टिक मशीनरी लि०, चेन्नई द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ज्ञात रूप से भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की क्षमता रखने वाली तीन और कम्पनियाँ हैं अर्थात् मै० फेरोमैटिक माइलाक्रॉन इंडिया लि०, अहमदाबाद, मै० विंडसर मशीन्स लि०, ठाणे और मै० इलेक्ट्रॉनिक मशीन टूल्स लि०, पुणे। प्राप्त सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उत्पादन में आवेदक कम्पनी का प्रमुख हिस्सा है। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि इस जाँच के प्रयोजनार्थ आवेदक नियम 5(3) के अनुसार आवेदन प्रस्तुत करने की स्थिति में हैं और नियम 2(ख) के अनुसार वे घरेलू उद्योग हैं।

### 4. समान वस्तु

आवेदक ने दावा किया है कि भागीदारी करने वाली कम्पनियों द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भौतिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग और टैरिफ वर्गीकरण आदि जैसे मानदंडों के रूप में दोनों उत्पादों में तुलनीय विशिष्टताएँ हैं। अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं के रूप में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएँ आयातित वस्तुओं से तुलनीय हैं। अतः प्रथम दृष्टया घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित घरेलू उत्पाद चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध वस्तु के सदृश वस्तु प्रतीत होता है।

### 5. शामिल देश

वर्तमान जाँच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य है।

### 6. सामान्य मूल्य

नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार यह अनुमान है कि चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु के उत्पादक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं। उपरोक्त गैर बाजार अवधारणा के मद्देनजर तथा प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा उसके खंडन के अध्यक्षीन चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का आकलन नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया गया है। तथापि प्राधिकारी उपर्युक्त प्रावधान के अनुसार उपरोक्त निर्धारण के प्रयोजनार्थ किसी तीसरे समुचित देश को चुन सकते हैं और यथासमय हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित कर सकते हैं।

## 7. निर्यात कीमत

संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत का आकलन अन्य गौण स्रोतों से एकत्रित आंकड़ों के आधार पर किया गया है। कारखाना-द्वार स्तर पर निर्यात कीमत के आकलन के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, निर्यात के देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन प्रभार आदि का समायोजन किया गया है।

## 8. पाटन मार्जिन

आवेदकों द्वारा प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए सकारात्मक प्रमाण के आधार पर यह प्रतीत होता है कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य भारत की कुल निर्यात कीमतों से बहुत अधिक है जो प्रथम दृष्टया इस बात का संकेत है कि संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है। पाटन मार्जिन के न्यूनतम से अधिक होने का अनुमान है।

## 9. क्षति तथा कारणात्मक संबंध

आवेदक घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा तथा मूल्य और घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित विभिन्न मानदंडों से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है। आयातों की मात्रा में वृद्धि, उत्पादों की मांग, बाजार हिस्से में हानि, कीमत कटौती, लाभप्रदता तथा संबद्ध वस्तु के विनिर्माण में नकद हानि जैसे मानदंडों से समग्र रूप से और परस्पर तुलना से प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयात से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

## 10. जाँच की शुरुआत

उपर्युक्त के मदेनजर प्राधिकारी यह निष्कर्ष देते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति तथा पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के प्रथम दृष्टया पर्याप्त प्रमाण मौजूद हैं और इसलिए प्राधिकारी एतद्वारा उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार किसी भी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा तथा प्रभाव का पता लगाने और पाटनरोधी शुल्क की मात्रा, जो यदि लगाई जाए तो घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए कथित पाटन और परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जाँच की शुरुआत करते हैं।

11. जांच की अवधि (पीओआई): वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 01/01/2007 से 31/12/2007 तक की है। तथापि क्षति जांच की अवधि में वर्ष 2004-05 से 2006-07 तथा जांच की अवधि शामिल होगी।

**12. सूचना प्रस्तुत करना**

संबद्ध देश में निर्यातकों, भारत स्थित चीन जन.गण. के दूतावास को, जांच से संबंधित भारत के ज्ञात आयातकों एवं प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को अलग से लिखा जा रहा है कि वे संगत सूचना निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से प्रस्तुत करें और निम्नलिखित पते पर अपने विचारों से अवगत कराएं

निर्दिष्ट प्राधिकारी,  
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय,  
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
भारत सरकार  
उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011

अन्य कोई हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से जांच से संबंधित अनुरोध कर सकती है।

**13. समय सीमा**

वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जाए ताकि वह इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास पहुँच सके। तथापि जिन निर्यातकों एवं आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है उन्हें भेजे गए पत्र की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर सूचना प्रस्तुत करनी होगी। यदि निर्धारित समय सीमा में सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अपूर्ण हो तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपर्युक्त नियमों के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

**14. अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना**

नियमावली के नियम 6(7) के संदर्भ में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गई किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करना अपेक्षित होता है गोपनीय सूचना का अगोपनीय रूपांतर अथवा अगोपनीय सारांश में पर्याप्त विवरण होना चाहिए ताकि अन्य हितबद्ध पार्टियों को सूचना का अर्थ स्पष्ट हो सके। यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकार की राय में सूचना को सारांश में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है तो इसके कारण दर्शाने वाला एक विवरण प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित होता है। तथापि यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध आवश्यक नहीं है अथवा सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता या सामान्य अथवा सारांश रूप में उसको प्रकट नहीं करना चाहता है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी इस सूचना को नजरअंदाज कर सकते हैं।

**15. उपलब्ध तथ्यों का उपयोग**

यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है अथवा उचित अवधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

**16. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण**

नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे हुए हैं।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th July, 2008

**INITIATION**

**Subject :—Initiation of Anti-Dumping Investigation concerning import of Plastic Processing Machinery from China PR.**

**1. Initiation**

F.No. 14/12/2008-DGAD.— WHEREAS M/s L & T Demag Plastic Machinery Ltd, Chennai (herein after referred to as the Applicants) have filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Plastic Processing machinery (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from People's Republic of China, (herein after referred to as subject country) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

**2. Product under consideration**

The product under consideration in the present petition is all kinds of plastic processing or injection moulding machines, also known as injection presses, having clamping force not less than 40 tonnes, used for processing or moulding of plastic materials. The machines are used for producing various plastic articles using an

25974/2008-2

injection moulding process and consist of an injection unit, which melts the polymer and injects it into the mould and a clamping unit, which holds the mould, opens, closes and ejects the finished product. Plastic processing machines are used by user-segments as automotive, communications, entertainment electronics, electrical, packaging, etc., in processing plastic to make bumpers, water bottles, medicine bottles, bottle caps, household items, writing instruments, plastic screws and so on.

Plastic processing machinery is classified under Chapter 84 of the Customs Tariff Act under subheading 8477.10 under subheading 8477.1000 under the Indian Trade Classification (Based on Harmonized Commodity Description and Coding system). However, the above classification is indicative only and is no way binding on the scope of this investigation.

### **3. Domestic industry and Standing**

The application has been filed by M/s L & T Demag Plastic Machinery Ltd, Chennai. The Authority notes that there are three other companies which are known to have the capacities to produce the subject goods in India i.e., M/s Ferromatik Milacron India Ltd, Ahmedabad, M/s Windsor Machines Ltd, Thane and M/s Electronica Machine Tools Ltd, Pune. On the basis of the information received, the Authority notes that the applicant company constitute a major proportion in Indian production. Therefore, the Authority holds that for the purpose of this investigation the applicants command the standing in terms of Rule 5(3) and constitutes the domestic industry in terms of Rule 2(b).

### **4. Like article**

The applicant have claimed that there is no known difference in the subject goods produced by the participating companies and exported from subject country. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses and tariff classification, etc. The goods produced by the domestic industry are comparable to the imported goods in terms of essential product properties. Therefore prima facie, the domestic products manufactured by the domestic industry appear to be like articles to the subject goods imported from China PR.

### **5. Countries involved**

The country involved in the present investigation is the People's Republic of China.

## 6. Normal value

In terms of para 8 in Annexure I to the Rules, it is presumed that the producers of the subject goods in China PR are operating under non-market economy condition. In view of the above non-market economy presumption, and subject to rebuttal of the same by the responding exporters, Normal value of the subject goods in China PR has been estimated in terms of para 7 of Annexure 1 to the Rules. The Authority may, however, adopt an appropriate third country for the purpose of the above determination in terms of the above provision and notify the interested parties in due course.

## 7. Export price

The export price of the subject goods exported from the subject country has been estimated on the basis of data collected from other secondary sources. Adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transportation in the country of export, port expenses have been made to arrive at the Export Price at ex-factory level.

## 8. Dumping margin

On the basis of positive evidence placed by the applicants before the Authority it appears that the Normal Value of the subject goods in the subject country is significantly higher than the net export prices to India, indicating prima-facie that the subject goods are being dumped in the Indian market by exporters from the subject country. The dumping margins are estimated to be above de minimis.

## 9. Injury and causal link

The applicant domestic industry has furnished information on volume and value of dumped imports from the subject country and various parameters relating to injury to the domestic industry, on account of the product under consideration. Parameters, such as increase in volume of imports, both in absolute terms and in relation to the demand of the products; loss in market share; price undercutting; profitability and cash loss in the manufacturing of subject goods prima-facie indicate that the dumped import of the subject goods from the subject country has caused material injury to the Domestic Industry.

259745/08-3

**10. Initiation**

In view of the above the Authority finds that sufficient *prima facie* evidence of dumping of the subject goods from the subject countries, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, and therefore, the Authority, in terms of the Rules 5 of the said Rules, hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

**11. Period of investigation (POI):** The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is **1.1.2007 to 31.12.2007**. The injury investigation period will however, cover the period 2004-05 to 2006-07 and the POI.

**12. Submission of information**

The exporters in the subject country, the Embassy of China PR in India, the importers and users in India known to be concerned with this investigation, the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

**The Designated Authority  
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties  
Ministry of Commerce and Industry  
Government of India  
Udyog Bhavan  
New Delhi-110011.**

Any other interested party may also make its submissions, relevant to the investigation, in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

**13. Time limit**

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty (40) days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within (40) forty days from the date of the letter addressed to them. If no information is



received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules.

#### **14. Submission of information on Non-confidential basis**

In terms of Rule 6(7), of the Rules the interested parties are required to submit non-confidential version of any confidential information provided to the Authority. The non-confidential version or non-confidential summary of the confidential information should be in sufficient detail to provide a meaningful understanding of the information to the other interested parties. If in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summary; a statement of reason thereof is required to be provided. However, if the Designated Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted, or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, the Designated Authority may disregard such information.

#### **15. Use of facts available**

In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

#### **16. Inspection of public file**

Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties in terms of Rule 6 (7).

R. GOPALAN, Designated Authority